











# थर्ड बेब से पहले वैक्सीन का टोटा

दो दिन से बंद टीकाकरण, आज लगाई जा रही को-वैक्सीन की दूसरी डोज

शाम तक तीन हजार  
टीके मिलने की उम्मीद

जून के महीने में मिले पॉजीटिव केस	पॉजीटिव
तारीख	
01 जून	01
02 जून	04
03 जून	00
04 जून	01
05 जून	05
06 जून	01
07 जून	00
08 जून	00
09 जून	01
10 जून	01
11 जून	01
12 जून	00
अप्रैल में पॉजीटिव -	4701
मई में पॉजीटिव -	2233

कटनी। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर अब पूरी तरह से कमजोर पड़ गई है, इसी के प्रशासन और स्वास्थ्य अमला तीसरी लहर से निपटने की तैयारियों में जुटा हुआ है। जिला चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लाट सहित अन्य संसाधनों को पटरी पर लाने की कागद शुरू हो गई है। संभागायुक्त बी चंद्रशेखर ने भी थर्ड बेब से निपटने के लिए अभी से तैयारियां शुरू करने के लिए कहा है।

**कटनी कोरोना अपडेट : 1209 सेम्पल की रिपोर्ट में मिला  
एक मरीज, आज एक और को मिली छुट्टी**

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान जिले को जिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा था, वैसी स्थितियों अब नहीं बने, इसके लेकर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा रणनीति बनाई जा रही है। उम्ह दूसरी तरफ पिछले दो दिनों से वैक्सीन की कमी के चलते टीकाकरण अधियान रस्तर नहीं पकड़ पा रहा है। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए टीकाकरण को बदल से बद्ध हथेयर माना जा रहा है लेकिन आलम यह है कि जिले में पिछले दिनों से वैक्सीन का टोटा बना हुआ है। यह स्थिति उस समय बीज जबलपुर संभाग के आयुक्त बी चंद्रशेखर कटनी जिले के दौरे पर हो रहे। जानकारी के मुताबिक कल शुक्रवार को जिले के किसी भी केन्द्र पर टीकाकरण नहीं हुआ, जबकि पुरानी कंचहरी परिसर स्थित केन्द्र में आज को-वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई जा रही है। जिले में वैक्सीन की कमी को लेकर जब जबलपुर संभाग को पुरानी कंचहरी परिसर स्थित केन्द्र में आज को-वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई जा रही है। जिले में वैक्सीन को प्राप्त करने के दौरे पर हो रहे। जानकारी के मुताबिक कल शुक्रवार को जिले के किसी भी केन्द्र पर टीकाकरण नहीं हुआ, जबकि पुरानी कंचहरी परिसर स्थित केन्द्र में आज को-वैक्सीन की दूसरी डोज लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि आज शाम तक कोवीशुल्ड और को-वैक्सीन की तीन हजार डोज कटनी पहुंच जाएगी।



मकान के अंदर से  
92 हजार नगद चोरी

कटनी। कुठला थाना अंतर्गत कैलवाराफाटक क्षेत्र स्थित मकान में देरामाश धान बोलकर अज्ञात बदमाश अंदर से 92 हजार रुपए नगद लेकर चंपत हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। इस सबवें में मिली जानकारी के मुताबिक कैलवाराफाटक क्षेत्र निवासी संतुक्तमार रजक के मकान में अज्ञात बदमाशों ने धान बोला और अंदर अलमीर में रखे 92 हजार नगद रुपए लेकर चंपत हो गए। संतुक्तमार पर किसी जानकार पर ही सदह व्यक्त किया है। पुलिस अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध धान 457, 380 के तहत मामला दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

**ट्रेन में चोरी का आरोपी गिरफ्तार**

कटनी। जीरोपी थाना प्रभारी राकेश पटेल ने बताया कि ट्रेनों में चोरों कस्ते के आरोप में झराटिकुरिया निवासी सौरभ कोरो को गिरफ्तार किया गया है। वो चोरियों के मामले में एक मोबाइल व एक हजार रुपये नानद जात किए गए हैं। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

## पैसेंजर ट्रेनों की जगह लेंगी मेमो ट्रेनें

कम दूरी का सफर  
करने वाले प्रेषेन्टेन  
यात्रियों को निलेगी  
राहत, दो माह और  
करना होगा इंतजार



कटनी। कोरोना की पहली लहर के आते ही रेलवे ने यात्री ट्रेनों को संचालन पूरी तरह से बंद कर दिया। राहत मिलने पर स्पेशल ट्रेनों को तो शुरू कर दिया गया लेकिन पैसेंजर ट्रेनों को नहीं चलाया गया। लागत 16 माह से भी ज्यादा समय से पैसेंजर ट्रेनों बंद है। कम दूरी की यात्रा करने वाले यात्री परेशन है। पश्चिम मध्य रेलवे यात्रियों को राहत देने की तैयारी कर रही है। जल्द ही वह पैसेंजर ट्रेनों की जगह मेमो ट्रेनों का संचालन करने जा रहा है। उम्हीर है कि यात्रियों को इसके लिए दो माह का और इंतजार करना होगा। इसके बाद पैसेंजर ट्रेनों के रूट पर मेमो ट्रेनों दौड़ने लगेंगी।

**सुविधाजनक है मेमो ट्रेन**

मेमो ट्रेन का खासकर है कि इनमें कोच के लिए बीना में शेड बनाया जा रहा है। इनमें बार-बार इंजन नहीं बदलता जाता, यह लोकल ट्रेन की तरह ही होती है। इनमें सीट के साथ यात्रियों को खेड़े होने के लिए पर्याप्त स्थान दिया गया है। पश्चिम मध्य रेलवे को होली पर फिर से निर्देश दिया गया है। यहां पर यात्रियों को फिर होने के लिए पर्याप्त जगह होती है। मेमो ट्रेनों की बीच दौड़ रही है। इस ट्रेन को चलाने के बाद यात्रियों को बीच दौड़ रही है। इस ट्रेन को चलाने के बाद यात्रियों को अच्छा फिल्डबैक मिला है।

**बीना में बन रहा कोच मेटेनेंस थेड**

मेमो ट्रेन के कोच के मेटेनेंस के लिए बीना में शेड बनाया जा रहा है। जिसका काम लाभग 70 से 80 फीट सेंटीमीटर से जबलपुर के बीच। जबलपुर से सताना के बीच। जबलपुर से कटनी के बीच। बीना से रोवा के बीच। पहले चरण में इन रूटों पर चल सकती है मेमो ट्रेन। सताना-मानिकपुर के बीच। इटारसी-जबलपुर-सताना। इटारसी-कटनी के बीच। जबलपुर मंडल में चलने वाली पैसेंजर ट्रेनें-रीवा-जबलपुर-शटल। इटारसी-कटनी-भोपाल विद्याचालं एक्सप्रेस। इटारसी-प्रयागराज (छिक्की) पैसेंजर। कटनी-बीना पैसेंजर। कटनी-चोपन पैसेंजर।

इन रुट पर जानी है मेमो ट्रेन

-नरसिंहपुर-जबलपुर-कटनी के बीच। इटारसी से जबलपुर के बीच। जबलपुर से सताना के बीच। जबलपुर से कटनी के बीच। बीना से रोवा के बीच। पहले चरण में इन रूटों पर चल सकती है मेमो ट्रेन। सताना-मानिकपुर के बीच। इटारसी-सुरेश चौधरी निवासी तेवरी थाना बीलवाड़ जबलपुर से विरुद्ध नारोकटिक्स एक्सप्रेस के तहत अपाध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। मामत के आरोपी सुरेश चौधरी निवासी तेवरी को पूर्ण में गिरफ्तार कर मानीय न्यायालय में पेश किया गया था। आरोपी भीलवाड़ जबलपुर से कर्तनी ले आई है। आरोपी को 11 जून को मानीय न्यायालय में पेश किया गया। मानीय न्यायालय अंदेशासुरा आरोपी को जिले जेल कटनी विवेल किया गया। पुलिस अधीक्षक मयक अवधी द्वारा 5000 रुपये अधीक्षक मयक में अवधी द्वारा 5000 रुपये होना चाहिए तरह किया गया था। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक मयक अवधी द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्र द्वितीय वर्ष में स्लीमनाबाद एसडीओपी मोनिका तिवारी के मार्गदर्शन में स्लीमनाबाद थाना प्रभारी स्लीमनाबाद अजय बहादुर सिंह, उपनिवेशक संस्तरम यादव, सरनि विजय गिरि, प्रधान अराक्षक अंजनी मिश्र, कोदूलाल पटेल, मनीष असेया, दुष्मांश विश्वकर्मी, सोने सिंह, बृजेश सिंह को लागाया गया। पुलिस टीम आरोपी भीलवाड़ जबलपुर से गिरफ्तार कर कर्तनी ले आई है। आरोपी को 11 जून को मानीय न्यायालय में पेश किया गया। मानीय न्यायालय अंदेशासुरा आरोपी को जिले जेल कटनी विवेल किया गया। पुलिस अधीक्षक कटनी द्वारा आरोपी को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

इनका कठना है

मेमो ट्रेन चलने से जुड़ी सभी तैयारियों को पूरा किया जा रहा है। मेमो ट्रेन के कोचों का मेटेनेंस करने वाला में शेड बनाया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि दो माह के भीतर शेड बनाकर ट्रेनों को चलाना शुरू कर दें। राहुल जयपुरिया, सीपीआरओ, पमरे



## ओपन कैप में ही अंकुरित हो गई धान

कटनी। ओपन कैप और केन्द्रों पर खुले आसमान के नीचे पड़ी हजारों विवराल धान बोल्स की बारिश में खराब होने के मामले की जांच भी शुरू नहीं हो पाई थी कि ओपन कैप में भंडारित धान के बारिश के पानी में खराब होने और अंकुरित होने का नाया मामला सामने आ गया है। इस पूरे मामले में सिस्टम की लापरवाही सामने आ रही है। बताया जाता है कि ओपन कैप को निर्माण करने के अंतर्गत आइटीआई के संपर्क में धान भंडारण औपन कैप में करवाया गया था। इसके बावजूद नगर निपाम भंडारित कराई गई है लेकिन विवर